तापमान
अधिकतम 21.5 डिग्री
न्यूनतम 3.1 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 जनवरी 2024

13 भगवान श्रीराम मन्दिर की झांकी का स्वागत

14 गोलीबारी के विरोध में कल रहेगा गोहाना बंद

खबर संक्षेप

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने एक आरोपित को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सूरज उर्फ तुलसी निवासी भैराबांकिपुर का है। जांच अधिकारी सोमबीर ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान खुर्मपुर वाली गली में मौजूद थी। उसी दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में घुमता हुआ मिला। उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास एक अवैध पिस्तौल व सात जिंदा रौंद मिले। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ कुंडली थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया था। आरोपित ने बताया कि उसने अवैध हथियार को बागपत यूपी से राहगीर से लिया था। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चीनी मिल में चोरी करने का आरोपित काबू

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने गांव आहुलाना स्थित चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल से चीनी की बोरियां चोरी करने की घटना में आरोपित गांव छिछड़ाना के विकास को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। चीनी मिल के सिक्योरिटी सुपरवाइजर महाबीर ने शनिवार को पुलिस को शिकायत दी थी कि गांव छिछड़ाना का विकाश और आहुलाना गांव का सुधीर चीनी मिल के गोदाम से चीनी की बोरियां चोरी करते हुए पकड़े गए थे। सुधीर मौके से फरार हो गया था। जांच अधिकारी नसीब कुमार ने आरोपित विकास को गिरफ्तार किया।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

गोहाना। बरोदा थाना की पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ गांव रिंढाना के अमित को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हवलदार रामबीर पुलिस टीम के साथ गांव रिंढाना के पास गश्त कर रहे थे। पुलिस को सूचना मिली की एक युवक चोरी की बाइक लेकर आने वाला है। इस पर पुलिस न नहर के पास नाका लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद युवक आया तो उसे रोक लिया गया। वह दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। जांच में पता चला कि बाइक रोहतक से चोरी की गई थी। पूछताछ में आरोपित की पहचान गांव रिंढाना के अमित के रूप में हुई।

खुबडू झाल में मिला दिल्ली स्पेशल स्टाफ में तैनात एसीपी के बेटे का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

खुबडू झाल नहर से गन्नौर पुलिस को आउटर नॉर्थ दिल्ली स्पेशल स्टाफ में तैनात एसीपी यशपाल सिंह चौहान के बेटे लक्ष्य चौहान 25 वर्षीय का शव मिला है। मृतक लक्ष्य दिल्ली में अधिवक्ता के तौर पर काम करता था। लक्ष्य के दो दोस्तों ने ही पैसों के लेन देन के चलते 23 जनवरी को पानीपत के जाटल गांव के पास हत्या करने की मंशा से उसे नहर में धक्का दे दिया था।

जिसके बाद से दिल्ली पुलिस कोनेशनल डिफेंस रेसक्यू फोर्स (एनडीआरफ) की टीम इंचार्ज प्रफुलित की देखरेख में 20 जवानों की टीम बिंझौल गांव से खुबडू हेड तक नहर में सर्च अभियान में 23 किलोमीटर के एरिया में टीम बोट और गोताखोरों की मदद से तलाश के लिए सर्च अभियान चला रही थी। रविवार देर शाम लक्ष्य का शव गन्नौर से गुजर रही खुबडू झाल नहर से बरामद हुआ। इसके बाद खुबडू झाल चौकी पुलिस ने कार्रवाई के बाद अधिवक्ता लक्ष्य के शव को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया। खुबडू झाल पुलिस चौकी इंचार्ज संदीप कुमार ने बताया कि दिल्ली की समयपुर बादली थाना में लक्ष्य की हत्या का मामला दर्ज है। इस मामले में आगामी कार्रवाई समयपुर बादली थाना पुलिस करेगी। बता दें कि स्पेशल स्टॉफ के एसीपी यशपाल चौहान ने समयपुर बादली थाना में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिसमें बेटे लक्ष्य के दोस्तों के साथ रोहतक में शादी समारोह में जाने और दोबारा घर नहीं लौटने का जिक्र किया। लक्ष्य की मोबाइल लोकेशन और सीडीआरके आधार पर संदिग्ध को हिरासत में लिया तो उसने लक्ष्य की हत्या कर शव नहर में फेंकने का खुलासा किया था।

दिल्ली पुलिस के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस के लापता वकील बेटे लक्ष्य चौहान की काली ईको स्पोर्ट्स कार को बरामद कर लिया गया है। वकील के आरोपी दोस्त की निशानदेही पर दिल्ली पुलिस ने कार को सोनीपत के खरखौदा में नहर किनारे से बरामद किया था।

दोस्तों पर एडवोकेट लक्ष्य को पानीपत नहर में धक्का देने का आरोप

विकास और अभिषेक के साथ शादी समारोह में रोहतक गया था

जानकारी के मुताबिक, लक्ष्य चौहान 23 जनवरी को अपने दोस्तों के साथ रोहतक में शादी की पार्टी में गया था। शादी में जाने के लिए घर से निकला लक्ष्य वापस घर नहीं लौट पाया। जिसके बाद उसके एसीपी पिता यशपाल सिंह चौहान ने दिल्ली के समयपुर बादली थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। यशपाल सिंह महिंद्रा पार्क में परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा लक्ष्य चौहान तीस हजारी कोर्ट में वकील है। वह 22 जनवरी की शाम अपनी ईको स्पोर्ट्स कार से विकास और अभिषेक के साथ एक दोस्त की शादी समारोह में शामिल होने के लिए हरियाणा के रोहतक गया था।

विकास तीस हजारी कोर्ट में मुंशी और अभिषेक की है मोबाइल की दुकान

नरेला निवासी दोस्त विकास तीस हजारी कोर्ट में मुंशी है और अभिषेक की अपनी दुकान है। लक्ष्य का मोबाइल फोन बंद होने पर 23 जनवरी को परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। पुलिस ने अभिषेक को हिरासत में लिया, जिसने बताया कि शादी समारोह में लक्ष्य का कुछ दोस्तों के साथ झगड़ा हो गया था। जिस पर वे उसे जबरन कार में बैठाकर पानीपत लेकर पहुंचेऔर 23 जनवरी की सुबह करीब 8:30 बजे जाटल रोड शनिमंदिर के पास नहर में फेंक दिया। आरोपी अभिषेक ने पूछताछ में खुलासा किया कि 22 जनवरी की दोपहर उसके दोस्त विकास ने उसे कॉल किया था। वे साथ में रोहतक में एक शादी में गए थे। अभिषेक ने विकास से मुकरबा चौक पर मुलाकात की थी।

लक्ष्य की कार लेकर फरार हो गए

बताया जा रहा है कि आरोपी ने खुलासा किया कि उसने और विकास ने लक्ष्य को खत्म करने का प्लान बनाया और शव को मूनक नहर में फेंकने का फैसला किया। 22 जनवरी को दोपहर लगभग 3.30 बजे, वह मुकरबा चौक पर पहुंचा, जहां लक्ष्य उसे काली इको स्पोर्ट कार में मिला। वह लक्ष्य के साथ कार के अंदर बैठे और बाद में विकास भी उनके साथ शामिल हो गए। देर रात तक वे शादी समारोह में पहुंचे और रात 12 बजे के बाद वहां से वापस घर के लिए निकले थे। वापसी के दौरान सभी ने पानीपत में कार रोकी और वे सभी कार से बाहर आ गए। जब लक्ष्य नहर के पास खड़ा था तो उसे नहर में धक्का दे दिया और वे दोनों लक्ष्य की कार लेकर वहां से भाग गए। विकास उसे नरेला छोड़कर चला गया। अब पुलिस में धारा 302, 201 आईपीसी के तहत जुटाए गए सबूतों के आधार पर आरोपी अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया था

शहर के मामा-भांजा चौक पर ईको स्पोर्ट्स में सवार युवकों ने साइकिल और स्कूटी पर जा रहे युवकों को रौंदा

जन्मदिन पार्टी का मनाया जश्न, तेज रफ्तार से लौटते समय खुद भी हो गया हादसे का शिकार, लील ली चार की जिंदगी

सुनील छिक्कारा ⏭ सोनीपत

शहर के मामा-भांजा चौक पर हुए हादसे में नेपाल से आए चार लोगों की मौत का कारण तेज रफ्तार थी। जानकारी मिली है कि कार सवार ऋतिक मुरथल से अपने तीन दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी करने के लिए गया था। वहां से देर रात कार में अपने दोस्तों के साथ लौट रहा था। एक दोस्त को सेक्टर में उतारकर खुद कार चलाने लगा। उसके बाद मामा-भांजा चौक पर आगे चल रहे स्कूटी व साइकिल सवारों को कुचल दिया। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि करीब 70 फीट की दूरी पर जाकर दीवार से टकराई। हादसे की आवाज सुनकर निजी अस्पताल में कार्यरत कर्मचारी दौड़ पड़े। उन्होंने घायलों को सीपीआर दी।

■ पुलिस ने कार चालक पर केस दर्ज किया

उसके बाद सभी को राहगीरों की मदद से नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां चिकित्सक ने चार को मृत घोषित कर दिया। जबकि कार सवार दो को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। हादसे में घायल पांचवे नेपाली का उपचार सरकारी अस्पताल में चल रहा है। नेपाल से रोजी-रोटी की तलाश में भारत आए नेपाल निवासियों का क्या पता था कि भारत की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहन चालक साइकिल सवारों को इस तरह रौंद देते है। अस्पताल में भर्ती नेपाल निवासी ने बताया कि पांचों सोनीपत शहर में रहकर अपनी रोजी रोटी के लिए दिन भर व रात को भी काम करते थे।

मृतक दल बहादुर 50 वर्ष के दो बच्चें है। बेटी शादीशुदा है ओर बेटा अविवाहित। अस्पताल पहुंचें परिचितों ने बताया कि दल बहादुर दिन में एक एसडीओ की गाड़ी चलाता था ओर रात को काम मिलने पर वेटर का काम करता था। कुमार बहादुर 40 वर्ष भी करीब ढाई साल से सोनीपत में रह रहा था ओर वेटर का काम करता था। कुमार बहादुर के तीन बच्चें है। दो बेटे व एक बेटी। खिल बहादुर मगर 50 वर्ष भी करीब डेढ़ साल से सोनीपत में रहकर वेटर का काम करता था। खिल बहादुर के चार बच्चे है। तीन बेटी व एक बेटा। जबकि युवक अर्जुन 22 वर्ष शादीशुदा था। वह सोनीपत में करीब चार वर्ष से वेटर का काम कर रहा था। उसका कोई बच्चा नहीं है। करीब डेढ़ साल पहले ही उसकी शादी हुई थी।

सोनीपत। घायल के बयान दर्ज करते पुलिस कर्मचारी।

सोनीपत। घायल का हाल चाल जानने पहुंचे भाजपा नेता राजीव जैन।

नृतकों के फाइल फोटो

घायल का हालचाल जानने पहुंचे भाजपा नेता

शहर के मुख्य मार्ग पर हुए सड़क हादसे के बाद भाजपा नेता राजीव जैन जानकारी मिलते ही नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां उन्होंने आपाताकालीन वार्ड में भर्ती घायल का हालचाल जाना। वहीं मृतक के परिजनों से भी मिले। शहर में काफी संख्या में नेपाल आए लोग रहते है।

कार चालक गंभीर, दो मृतकों के शव परिजनों को सौंपे

देर रात दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में कार चालक की लापरवाही से चार नेपाल के लोगों की मौत हो गई। कार चालक की हालत भी गंभीर है। जिसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। दो के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए है। जबकि दो के शवों का पोस्टमार्टम सोमवार को करवाया जायेगा।
-रविंद्र कुमार, प्रभारी सिविल लाइन थाना।

दिल बहादुर का आरोप जान बूझकर मारी टक्कर, 50 फीट जाकर गिरे

दिल बहादुर का आरोप है कि वह रात को सड़क पर एक तरफ चल रहे थे। चालक तेज रफ्तार में आया और सभी साथियों को जानबुझकर टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनके साथी करीब 50 फीट दूर जाकर गिरे। वह भी उनसे आगे होने के बावजूद उनकी चपेट में आ गया। जिससे वह सभी बुरी तरह से घायल हो गए। देर रात सड़क पर मचा कार का उत्पात सड़क पर बिखरे शवों के टुकड़ों व वाहनों के टुकड़े ब्यां कर रहे थे। वहीं हादसे के बाद सीसीटीवी की फुटेज सामने आई। गाड़ी चालक साइकिल सवार युवकों को कुचलते हुए दिख रहा है। हादसे के बाद लोग घायलों को उठा रहे हैं ओर चारों तरफ साइकिल व स्कूटी के अंश बिखरे हुए थे। खून से लथपथ वेटर के हाथ, मुंह व पैर सभी कुचले हुए थे। एक वेटर का पैर कटकर अलग हो गया था।

दुकानदार से नकदी छीनने का आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने छीनाझपटी की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुरज उर्फ पप्पू निवासी हरिद्वार उत्तराखंड का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव नांगल कलां निवासी सुरजान ने गत 5 दिसंबर को पुलिस को बताया कि वह प्याऊ मनियारी के पास टेलीकॉम की दुकान चलाते है। देर रात दुकान बंद कर बाइक से घर जा रहे थे। फ्लाईओवर के पास तीन युवकों ने उनकी बाइक को रुकवा लिया। युवकों ने बैग छीनने का प्रयास किया तो उन्होंने विरोध करा दिया। इस पर युवकों ने लोहे की रॉड से उसके बेटे पर हमला कर दिया। उसके बाद दो युवकों ने उससे रुपयों से भरा थैला छीन लिया। उसके बाद बदमाश फरार हो गए। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में तीन बदमाशों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए कटार सिंह की टीम ने सात आरोपितों को पहले गिरफ्तार कर लिया था। वारदात मेंशामिल आरोपित को अदालत के आदेश पर गिरफ्तार किया है।

शराब न देने पर थार से टक्कर मारकर ठेके का शीशा तोड़ा

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के प्याऊ मनियारी स्थित ड्रेन नंबर-8 के पास आधी रात को शराब ठेका नहीं खोलने पर शटर को थार गाड़ी से टक्कर मारने का मामला सामने आया है। थार गाड़ी चालकों ने एक अन्य ठेके पर भी शटर को टक्कर मारी। दोनों ठेकों पर शीशे के गेट टूट गए। ठेका कारिंदे ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपितों की तलाश के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है। गांव शामड़ी निवासी राजेश कुमार ने बताया कि प्याऊ मनियारी स्थित ड्रेन नंबर-8 के पास शराब ठेका पर सेल्यमैन है। वह 16 जनवरी की रात को ठेके के अंदर सो रहे थे। 17 जनवरी को तड़के पौने तीन बजे शटर पर किसी ने जोरदार टक्कर मार दी। साथ ही किसी ने बाहर से गालियां देनी शुरू कर दी। वह ठेका खोलने की मांग कर रहे थे। साथ ही ठेका नहीं खोलने पर मारने की धमकी दे रहे थे। राजेश ने बताया कि उन्होंने डर के चलते शटर नहीं खोला। उन्होंने ठेका मालिकों को अवगत कराया। सुबह ठेका मालिक पहुंचे तो सीसीटीवी की जांच की गई। जिसमें एक थार गाड़ी दिखाई दे रही है। थार चालक गाड़ी से शटर को टक्कर मारते दिख रहे हैं। गाड़ी में तीन चार युवक सवार थे। टक्कर लगने से शटर क्षतिग्रस्त होने के साथ ही अंदर लगा शीशे का गेट भी टूट गया। राजेश का आरोप है कि थार सवार युवकों ने इससे पहले रसोई के पास स्थित उनके दूसरे ठेके के शटर को भी टक्कर मारकर वहां भी शीशे का गेट तोड़ दिया था। उन्होंने अब मामले की शिकायत पुलिस को देकर मुकदमा दर्ज कराया है। जांच अधिकारी एसआई नरेश ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

नागरिक अस्पताल में कर्मचारियों की सुरक्षा राम भरोसे, पुलिस ने कई युवकों को पकड़ा

आपातकालीन कक्ष में तैनात चिकित्सक व स्टाफ के साथ अभद्रता व मारपीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नागरिक अस्पताल में चिकित्सक व स्टाफ को रात के समय ड्यूटी करने पर भय सताने लगा है। अस्पताल के आपाताकालीन कक्ष में देर रात चिकित्सक के साथ अभद्रता व स्टाफ कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के आरोप का मामला सामने आया है। रात को सड़क हादसे में घायलों को उपचार करते समय बच्चे को लेकर पहुंचे उसके परिजन व दोस्तों से उपचार के नाम पर चिकित्सक व स्टाफ के साथ अभद्रता करना शुरू कर दिया। जिसके बाद चिकित्सक ने कंट्रोल में सूचना देकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीन से चार युवकों को हिरासत में लिया था। हालांकि देर शाम तक पुलिस को शिकायत न मिलने पर कार्यवाही नहीं हो सकी। चिकित्सक ने अस्पताल प्रबंधन को पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है।

■ शिकायत न मिलने पर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

दोनों पक्षों में समझौता

देर रात को सूचना मिली थी, पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने युवकों को हिरासत में लिया था। देर शाम तक शिकायत नहीं आई। जानकारी मिली कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया है। अगर शिकायत मिलती है, तो आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।
दिलबाग सिंह, प्रभारी सेक्टर-27 सोनीपत

आपातकालीन कक्ष में तैनात डा. संदीप ने बताया कि शनिवार रात करीब 12 बजे के बाद मामा-भांजा चौक पर सड़क हादसे में घायल आठ लोगों को अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में लाया गया। जहां कक्ष में तैनात कर्मचारी उन्हें उपचार व स्वास्थ्य सेवाएं देने लगे। इसी दौरान गंभीर चोटे लगने के चलते चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई थी। महिला स्टाफ से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अपने-अपने कार्य में जुटे हुए थे। उसी दौरान गांव जटवाड़ा से कुछ लोग एक बच्चे को लेकर कक्ष में पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चे को उल्टी होना कारण बताया गया। उन्हें कुछ देर रूकने के लिए कहा। लेकिन उन्होंने अभद्रता करना शुरू कर दिया। कक्ष में हादसे में घायल होकर पहुंचे लोगों को स्टाफ व खुद उपचार देने में लगे हुए थे। घायलों का पहले उपचार करने के लिए उन्होंने कहा तो युवक तेश में आ गए। उन्होंने स्टाफ कर्मचारियों व उसके साथ अभद्रता करना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने उन्हें थोड़ा इंतजार करने के लिए कहा तो उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। बीच-बचाव के दौरान उसके साथ व कक्ष में तैनात अन्य कर्मचारियों के साथ युवकों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। मामले को लेकर डायल-112 पर कॉल की। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों को हिरासत में ले लिया था। जानकारी के मुताबिक उन्हें सेक्टर-27 शहर थाने में लेकर जाया गया। वहीं डा. संदीप ने बताया कि कक्ष में अक्सर लोग स्टाफ व चिकित्सक के साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ा शुरू कर देते है। पहले भी कई बाद ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी है। प्रबंधन को बार-बार इस संबंध में सूचित किया जाता है। वहीं कक्ष के बाहर पुलिस की तैनाती को लेकर कई बार बोला गया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रात को हादसे में घायलों की पहले जान बचाने का फर्ज चिकित्सक व स्टाफ का बनता है। इसी बात को लेकर युवकों ने झगड़ा करना शुरू कर दिया।

मुंडलाना में हुई थी महिला कर्मचारी व स्टाफ से अभद्रता

स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कई बाद सवाल खड़े होते है। गत दिनों पहले भी गांव मुंडलाना स्थित सीएचसी पर प्रसूति विभाग के अंदर घुसकर स्वास्थ्य कर्मी व महिला कर्मचारी के साथ अभद्रता दो युवकों ने की थी। इतना नहीं महिला कर्मचारियों के अपहरण का प्रयास आरोपितों ने किया था था। वहीं विरोध करने पर कर्मचारी के साथ मारपीट की थी।

बरोदा के सुरेंद्र का हत्यारोपित गिरफ्तार अवैध हथियार व कारतूस भी बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

थाना बरोदा पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल छिनने की घटना में संलिप्त 4 आरोपितयों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित सुमित उर्फ डिशूजा पुत्र राजकुमार, कुश उर्फ कौशिक पुत्र सतपाल व मोहित पुत्र अजमेर निवासी गांव बरोदा तथा सचिन पुत्र धर्मबीर गांव आहुलाना का निवासी है। पुलिस ने सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश करके न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

ये था मामला

गांव जसिया निवासी नवीन पुत्र बिजेंद्र ने पुलिस को शिकायत दी थी कि 27 जनवरी को अपने दोस्त सक मिलकर मोटरसाइकिल पर गांव

गोहाना। गिरफ्तार आरोपित।

ठसका के रास्ते अपने गांव जसिया जा रहा था। दोपहर करीब 2 बजे वह रोहतक-पानीपत रोड के नजदीक गांव माहरा के ब्रेकर पर पहुंचा तो उसी समय गन प्वाइंट पर चार युवक नवीन से उसकी मोटरसाइकिल छीन ले गए थे। इस घटना को लेकर डीसीपी गोहाना भारती डबास के मार्गदर्शन में पुलिस की चार टीमें गठित की गई और महज कुछ ही घंटों में आरोपितों को दबोच लिया गया।

आरोपितों से छीनी गई बाइक भी बरामद

थाना बरोदा अनुसन्धान टीम अधिकारी एसआई जगबीर ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों द्वारा 27 जनवरी को ही गांव बरोदा में सुरेन्द्र उर्फ रमेश पुत्र राजसिंह की गोली मारकर हत्या की गई। पुलिस ने हत्या की वारदात में प्रयोग किए गए अवैध देशी पिस्तौल, एक जिंदा राउंड तथा पिस्तौल के बल पर मोटरसाइकिल छिनने की घटना में शिकायतकर्ता से छीनी हुई मोटरसाइकिल,पर्स व फोन बरामद किया।

गोपियों का वियोग - वर्णन , वर्णन के लिए ही है उसमें रिस्थितियों का अनुरोध नहीं है । राधा या गोपियों के विरह वह तीव्रता और गंभीरता नहीं है जो समुद्र पार अशोक जन में बैठी सीता के विरह में है ।

-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

ऐसा नहीं था कि मम्मी को मेरे इस हुनर का पता नहीं था पर दादा-परदादा के समय से ही मेरे घर में केवल पढ़ाई को ही तवज्जो दी जाती रही है। कला और संगीत तो चंद समय के लिए बोरियत से उबारने के साधन रहे थे। इन विषयों में कोई उपलब्धि पाना पापा के लिए कोई मायने नहीं रखता था।

कहानी | डॉ. कविता विकास

ऑल राउंडर

न हीं.. तुम मेरे फैसले के विरोध में नहीं जा सकते। अभी इस काबिल नहीं हुए हो कि बड़े-बड़े निर्णय लेने लगो। पापा का सख्त, सपाट उत्तर सुनकर बड़ी निराशा हुई। बात दरअसल यह थी कि मैं दसवीं के बाद साइंस स्ट्रीम छोड़कर आर्ट लेना चाहता था। ड्राइंग और पेंटिंग में मेरी रुचि थी। मैंने पापा के समक्ष एक और दलील दी, 'आज कल हर स्ट्रीम में सम्भावनाएं हैं।

अपने शौक को पूरा करने का अभी ही तो मौका है।' पर पापा कहाँ सुनने वाले थे! विद्यालय के प्रत्येक वार्षिक महोत्सव में मेरे नाम कई मेडल और पुरस्कार होते थे,पर इसकी खुशियां बांटने के लिए घर में कोई नहीं। पापा पेंटिंग को एक तुच्छ विषय मानते थे। मेरा बड़ा भाई अमित पढ़ाई में बहुत अच्छा था और मैं बिलकुल साधारण। अमित भैया पापा की आँखों का तारा थे। वे अक्सर उनका उदाहरण देते, 'अमित ने इस बार भी अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। इसके कारण समाज में लोग मुझे इज्जत की नज़र से देखते हैं।'यह वाक्य मैं पापा की जुबां से तब से सुनता आ रहा हूँ जब से मैंने नर्सरी में दाखिला लिया था। अमित मुझसे पांच साल बड़ा था। मुझे बेहद प्यार करता था। कभी-कभी पापा मेरे लिए ड्राइंग की कॉपी लाने में आना-कानी करते तो वह अपनी ज़िद से मंगवा देता था।

गणित मुझे बहुत उबाऊ विषय लगता। कक्षा में जब गणित की पढ़ाई होती रहती, मैं चुपचाप अंतिम पेज में ड्राइंग बनाता रहता। एक बार तो मैंने सर की हुबहू सूरत बना दी। यह बात तभी से हवा की तरह फ़ैल गयी कि आनंद बहुत अच्छा चित्रकार है।

ऐसा नहीं था कि मम्मी को मेरे इस हुनर का पता नहीं था पर दादा-परदादा के समय से ही मेरे घर में केवल पढ़ाई को ही तवज्जो दी जाती रही है। कला और संगीत तो चंद समय के लिए बोरियत से उबारने के साधन रहे थे। इन विषयों में कोई उपलब्धि पाना पापा के लिए कोई मायने नहीं रखता था। मम्मी दबी जबान में मेरी तरफदारी करतीं पर इसमें भविष्य बनाना एक जोखिम भरा निर्णय समझती थीं। अक्सर माँ कहतीं, 'बेटा एक पेंटर बनकर तुम कैसे जीवन चला पाओगे? इसमें कोई निश्चित आय नहीं है। हमारे देश में इसका कोई भविष्य नहीं। 'मैं बड़े पेसोपेश में उनके इस तर्क के सामने निरुत्तर हो जाता। आखिर माँ गलत भी नहीं थीं।

दसवीं के बाद पापा के थोपे हुए आदेश के कारण मुझे अपना पसंदीदा विषय छोड़कर गणित और विज्ञान लेना पड़ा। ऐसा नहीं था कि मैं साइंस में कच्चा था, बस पसंद की बात थी। बारहवीं में कड़ी मेहनत की। अमित भैया की तरह टॉप तो नहीं किया पर उम्मीद से ज्यादा अच्छे परिणाम आये। इस दौरान मेरे रंग, पेंसिल, कलर, ब्रश आदि एक बक्से में बंद हो गए थे। पापा ने सख्त हिदायत दे रखी थी कि बारहवीं तक इन्हे छूना नहीं है।

बारहवीं के बाद मेरा दाखिला बंगलोर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ। हॉस्टल जाते वक्त माँ ने मेरे कपड़ों के बक्से में चुपचाप मेरा पेंटिंग किट रख दिया । बंगलोर की मोहक वादियों में मेरे अंदर का छुपा चित्रकार फिर जाग उठा। एक बार फिर से हाथों ने ब्रश और पेंट थाम लिया। देखते-देखते मेरा कमरा जिसमे एक और सहपाठी रहता था, हॉस्टल का सबसे सुन्दर कमरा हो गया। दीवारों पर लगे नयनाभिराम चित्र और पोस्टर सभी को बेहद भाते थे। पहला और दूसरा साल समाप्त हो गया। छुट्टियों में घर जाता तो पापा काफी खुश नज़र आते। कॉलेज से फीड बैक जाता कि मैं क्लास के श्रेष्ठ छात्रों में से एक हूँ। तीसरे साल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना था जिसके कारण गर्मी की छुट्टियों में मुझे हॉस्टल में ही रहना था। यूँ तो बंगलोर में गर्मी ज्यादा नहीं पड़ती फिर भी दोपहर बड़ा लंबा लगता। मेरे रूम पार्टनर की कमी खलती थी। उसकी अनुपस्थिति में दोपहर में बहुत बोरियत होती। इन्ही दिनों हॉस्टल में लिपाई-पुताई का काम भी हो रहा था। मेरा कमरा पहले तल्ले पर था। डिस्टेंपर के कारण कॉरिडोर बड़ा सुन्दर लगता था। एक दिन दोपहर में मैंने अपने कमरे के बगल वाली दीवार पे एक सुन्दर चित्रकारी कर डाली और रंग भी भर दिया। अंदर ही अंदर डर रहा था कि हॉस्टल इंचार्ज से इज़ाज़त लिए बिना ऐसा किया है, कहीं डाँट न पड़े, पर तीन दिनों तक वे राउंड पर नहीं आये। इस बीच मैंने पूरे कॉरिडोर में चित्रकारी कर दी। चौथे दिन रात में इंचार्ज सर राउंड पर आये। उस समय रात के नौ बजे थे। लड़के तो कम ही थे और सभी अपने-अपने कमरों में थे। कॉरिडोर की मद्धम रौशनी में दीवारों पर के चमकते हुए रंगों में उकेरे पेड़-पौधे, देवता, नदी, पहाड़-सूर्य मानो जीवित हो उठे। धीमी रौशनी में नहाते गहरे चमकीले रंगों में सजी दीवारों पर इंचार्ज सर मंत्रमुग्ध हो गए थे। दूसरे दिन मुझे कॉलेज बुलाया गया। लम्बी दुपहरिया में मुझे दीवारों पर रंग भरते फर्स्ट फ्लोर के सफाई कर्मचारियों ने देखा था, जिन्होंने इस छिपे आर्टिस्ट की जानकारी सर को दे दी थी। मुझे सर ने सख्त निर्देश दिया कि बाकी के दो तल्लों की दीवारों को भी ऐसी ही चित्रकारी से भर दो ताकि देखने में सभी एक से लगें। डाँट की आशंका अब नहीं थी। चित्रकारी तो मेरा जुनून था। चार दिनों के अंदर वे दो तल्ले भी खूबसूरत बन गए।

गर्मी की छुट्टियाँ ख़त्म हो गयीं। लड़के वापस आ गए थे। हॉस्टल के नए रूप ने सबका मन मोह लिया और गुमसुम सा रहने वाला मैं अचानक उनका हीरो बन गया। कॉलेज के वार्षिकोत्सव की तैयारी आरम्भ हो गयी। माता-पिता को आमंत्रण भेजा गया था। पेरेंट्स की उपस्थिति में वर्षभर की विशेष उपलब्धियों के लिए योग्य छात्रों को पुरस्कार वितरण किया जाता था। टाई-कोट के विशेष ड्रेस-कोड में मैं पापा-मम्मी के बीच में बैठा कार्यक्रम का आनंद ले रहा था। पापा न चाहते हुए भी बोल उठे, 'स्कूल या कॉलेज का शायद ही ऐसा कोई उत्सव रहा होगा जब अमित को पुरस्कार न मिला हो।' मैंने कहा 'पापा, अमित भैया से मेरी क्या तुलना, भैया तो घर की शान हैं। मैं उनकी तरह नहीं बन पाया, इस बात का मलाल तो मुझे भी है।' खैर, जीवन में पहली बार पापा मेरे किसी कार्यक्रम में आए, यही क्या कम था! विभिन्न श्रेणियों में हुई प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थानों पर रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया जा रहा था।

> *"पढ़ाई में उत्तम होने के साथ-साथ कला को भी आत्मसात करने वाला यह शख्स और कोई नहीं, अपना आनंद मल्होत्रा है।' मैं इस अप्रत्याशित उद्घोषणा के लिए तैयार नहीं था, सो जड़वत हो गया। पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। मेरे साथियों ने मुझे गोद में उठाकर स्टेज पर पहुंचाया। मैंने मुख्य अतिथि के साथ-साथ मंचासीन सभी विशिष्ट व्यक्तियों के पांव छुए। उनसे आग्रह किया कि मैं अपने पेरेंट्स को भी मंच पर बुलाना चाहता हूँ। उनकी स्वीकृति मिलते ही पापा-मम्मी स्टेज पर आये। पापा ने मुझे गले से लगा लिया और तब तक अपने से चिपकाये रखा जब तक मुख्य अतिथि ने उनकी पीठ न थपथपायी। बेहद भावुक क्षण था वह मेरे लिए, कभी न भूलने वाला। पापा की आँखों से बहती अविरल धारा वर्षों की मेरी नाकामी को झुठला रही थी।*

तभी एक उद्घोषणा हुई, 'पिछले दो सालों से हमने आल राउंडर का खिताब किसी को नहीं दिया। पर इस साल यह खिताब एक ऐसे शख्स को दिया जा रहा है जिसकी वजह से हमारे छात्रावास का कोना-कोना जगमगा गया है। गज़ब का जादू है उसके हाथों में, उसका लगन और परिश्रम अतुल्य है। पढ़ाई में उत्तम होने के साथ-साथ कला को भी आत्मसात करने वाला यह शख्स और कोई नहीं, अपना आनंद मल्होत्रा है।' मैं इस अप्रत्याशित उद्घोषणा के लिए तैयार नहीं था, सो जड़वत हो गया। पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज रही थी। मेरे साथियों ने मुझे गोद में उठाकर स्टेज पर पहुंचाया। मैंने मुख्य अतिथि के साथ-साथ मंचासीन सभी विशिष्ट व्यक्तियों के पांव छुए। उनसे आग्रह किया कि मैं अपने पेरेंट्स को भी मंच पर बुलाना चाहता हूँ। उनकी स्वीकृति मिलते ही पापा-मम्मी स्टेज पर आये। पापा ने मुझे गले से लगा लिया और तब तक अपने से चिपकाये रखा जब तक मुख्य अतिथि ने उनकी पीठ न थपथपायी। बेहद भावुक क्षण था वह मेरे लिए, कभी न भूलने वाला। पापा की आँखों से बहती अविरल धारा वर्षों की मेरी नाकामी को झुठला रही थी।

(लेखिका शिक्षाविद् एवं झारखंड विमर्श पत्रिका की सम्पादिका हैं)

कविता | लवली आनंद

हमर अयोध्या में राम

उठु चालू वेगी अयोध्या धाम
प्राण मिलत उहा नयन जुरायत
सबसुख पायब रट राम के नाम।।

कर्म बिनु सब छूट ही जइहें
श्रम बिनु फल कहा मिलहु न पइहें
पर जे मन के बहारब सखी सुनु
तब मिल जइहें कोशल कुमार।।

हे धरणी हे अयोध्या माता
शत शत नमन रउवा के जननी
अंगना बुहारब, नगरी बुहारब
एक पल झलक जे पायब राम।।

कनक भवन अति सुंदर साजल
पर हृदय में बसे मनमोहक राघब
जनकसुता संग बैठ भवन में
अति प्रिय लगते सीताराम।।

सरयू सुंदर,रामबन सुंदर
लछमन के संग हनुमानगढ़ी सुंदर
पर जे मन के हर्षित करीहें
वो हैं प्रभु के राजिबलोचन।।

राम स्तुति दोहे | अशोक कुमार ढोरिया

आओ रघुपति धाम में,करके ऊँचा भाल।
स्वागत में हम आपके,लिए खड़े हैं थाल।।

हाथ जोड़ कब से खड़ा, लेकर प्रभु का नाम।
आकर दर्शन दीजिए, जय जय जय श्रीराम।।

राम नाम को जप रहे, राम भक्त हनुमान।
अब तो भगवन आ मिलो,वंदन करे जहान।।

बाल रूप श्रीराम का,जैसे चमके धूप।
लिए हाथ कोदंड वे, लगते बड़े अनूप।।

राम अवध में आ गए,ले अपना कोदंड।
कर्म धर्म को धारिये, दूर करो पाखंड।।

अवध विराजे राम हैं, बांट रहे उपहार।
खुश होकर सब लीजिए,कभी न होगी हार।।

नाम बड़ा है राम का, जाने ये संसार।।
सबके रक्षक हैं वही,जग के पालनहार।।

दीन हीन के सारथी, ऐसा दो उपहार।
झूठ कपट का नाश हो,सच की हो जयकार।।

बना अवध में धाम है, हर लब पर है राम।
सबको यही यकीन है, पूरे होंगे काम।

प्यासे नैन तरस रहे, दर्शन दो श्रीराम।
स्वागत में अब आपके,सजा अयोध्या धाम।।

मंदिर न्यारा बन रहा , दुनिया में अभिराम।
हर्षित कण कण हो गया,सजा राम का धाम।।

लघुकथा | मोनिका राज

रोज़मर्रा की जिंदगी

ओ फ्फहो! यह फिजिक्स कितना बोरिंग है। मुझे बिल्कुल समझ नहीं आती। श्रेया ने अपना सिर पकड़ते हुए कहा।
'इधर आओ।' नीलेश ने कहा। 'अब बताओ, क्या समस्या है?'
श्रेया ने अपनी परेशानी नीलेश को बताई। 'बस, इतनी-सी बात है।', नीलेश ने मुस्कुराते हुए कहा।
फिर उसने श्रेया के हाथ से किताब लेकर उसे खुद से पढ़ाने लगा। श्रेया बड़े ध्यान लगाकर नीलेश की बातें सुन रही थी। बातों -हीं -बातों में कब पूरा चैप्टर उसने श्रेया को समझा दिया, पता हीं न चला। श्रेया ने लगभग कूदते हुए कहा, 'पापा, यू आर रियली ग्रेट! अब मुझे सारे कॉन्सेप्ट्स समझ में आ गए। पर, एक बात बताइये, मैं भी तो बहुत देर से यह सब समझने की कोशिश कर रही थी पर, मुझे क्यों समझ में नहीं आ रहीं थी ?'
'जब तक बस यूँ हीं पढ़ते रहोगे, वो बस किताबों तक हीं रह जायेगा, लेकिन जब आप उसे रोजमर्रा की जन्दिगी से सम्बंधित करके देखोगे तो तुम्हें सारे कॉन्सेप्ट्स अच्छे से समझ आ जायेंगे और तब न तो तुम्हें उनको रटने की झंझट होगी और न हीं भूल जाने का डर होगा। आयी बात समझ, गुड़िया रानी?' नीलेश ने उसे दुलराते हुए कहा।
नीलेश की बात श्रेया समझ चुकी थी। उसने सहमति में अपना सर हिलाया।

कविता | गोविन्द भारद्वाज

राम नाम का दीप जलाएं

राम नाम के दीप जलाएं,
नव उजियारा हम फैलाएं।

आए फिर से अवध बिहारी,
राजी कौशल्या माँ प्यारी।
देख-देख मन हर्षित होती,
कैकेई-सुमित्रा महतारी।

दीवाली हम आज मनाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

आज अयोध्या सज गाई सारी,
नाच रहे हैं सब नर नारी।

ढोल - मृदंग बजे गली- गली,
श्याम रंग छवि लागे न्यारी।

भजन-कीर्तन मंगल गाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

राम बिराजे महल अटारी,
मर्यादा के शुचि अवतारी।
धनुष-बाण शोभा अति सुंदर,
हैं श्री राम सकल हितकारी।

सरयू जी भी नाच दिखाएं,
राम नाम के दीप जलाएं।

साहित्य समाज का दर्पण भी है तथा मार्गदर्शक भी है। साहित्य समाज के सरोकारों को ही अपना विषय बनाता है। समाज और व्यक्तिगत विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण सहभागिता है। समाज में उस क्षेत्र विशेष की संस्कृति फलती फूलती है। संस्कृति लोगों के लिए नैतिक मूल्यों को निर्धारित करता है, जिसका निर्वहन प्रत्येक मनुष्य के लिए अनिवार्य है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

समाज के विकास में साहित्य की अहम भूमिका: डा. रमाकांता

प्रदेश की सुप्रसिद्ध महिला साहित्यकार एवं आकाशवाणी की ग्रेडिड लोक गायिका डा. रमाकांता पिछले चार दशकों से समाज को एक सकारात्मक रूप से नई दिशा देने का प्रयास में गुणवत्ता के आधार पर साहित्य सृजन करती आ रही हैं। लोक साहित्य में समाहित संगीत, नाट्य, नृत्य तथा लोक गीतों के संकलन और शोध कार्य में जुटी काव्य एवं गीत लेखक डा. रमाकांता ने अपने लोक साहित्य एवं काव्य लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे तथ्यों का जिक्र किया है, जिससे कहा जा सकता है कि समाज और व्यक्तिगत विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. रमाकांता शर्मा का जन्म 15 जुलाई 1948 को करनाल जिले के घरौंडा में डा. जयदेव प्रसाद और शांति देवी प्रभाकर के घर में हुआ। उनका परिवार में पूरी तरह से साहित्यिक माहौल था, जहां उनकी माता ग्रामीण क्षेत्र की पढ़ी लिखी महिला थी और बड़ी बहन उर्मिलकांता शर्मा उस समय पंजाब भाषा विभाग की प्रसिद्ध कवयित्री थी, जो विभाग में सभी प्रतियोगिता में हिंदी कविताओं में पुरस्कार हासिल करती रही है। साल 1956 में जब रमाकांता कक्षा तीन में थी, तो उन्होंने खुद लिखी एक कविता स्वतंत्रता दिवस पर पढ़ी तो उसे विद्यालय के मुख्याध्यापक ने पुरस्कार के रूप में एक चांदी का रुपया इनाम में दिया, जो आज भी उन्होंने अभी तक धरोहर के रूप में सुरक्षित रखा हुआ है। इसके बाद वे स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी, पंजाबी और उर्दू भाषाओं में काव्य प्रतियोगिताएं जीती और स्वरचित कविताएं तत्कालीक कॉलेज मैग्जीन तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। बकौल रमाकांता नौकरी में आने के बाद उन्होंने कला(फाइन आर्ट) तथा संगीत विषय का अध्यापन किया, वैसे भी विरासत में मिले साहित्यिक माहौल के कारण बचपन से कला, संगीत व साहित्य से रहे संबन्ध के कारण उन्होंने असंख्य गीत व कविताएं लिखी। उनकी साहित्यिक विद्या काव्य सृजन है, लेकिन उन्होंने गद्य व पद्य सभी विधाओं में साहित्य सृजन किया, जिनके विस्तृत लेखन क्षेत्र में कहानी, कविता, लघुकथा, नाटक, आलोचना, समीक्षा अनुवाद तथा संपादन जैसी विधाएं शामिल हैं। जिसकी बदौलत उनकी हरियाणवी भाषा, हरियाणवी संस्कृति (लोक साहित्य) तथा हिंदी गद्य व पद्य में करीब तीन दर्जन पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। डा. रमाकांता ने प्रसिद्ध साहित्यकारों की लघुकथा तथा कहानियों की पुस्तकों का हरियाणवी में अनुवाद भी किया है। वहीं उन्होंने स्वयं अपनी कुछ हिंदी लघुकथाओं का मैथिली, पंजाबी तथा बुंदेली में अनुवाद किया है। इसके अतिरिक्त अंग्रेजी में अनुवाद का संपादन भी किया। उन्होंने 250 लघुकथाओं, 50 कहानियों, करीब 20 नाटक तथा करीब 500 कविताओं का सृजन कर पाठकों को नई दिश डा. रमाकांता ने हरियाणवी संस्कृति संवर्धन की दिशा में लोक पर्व, ऋतुमास उत्सवों की वीडियोग्राफी एवं वृत्तचित्र में भी लोकगीत लेखन, संकलन, गायन और संगीत निर्देशन की भूमिका भी निभाई है। इनमें हरियाणा सरकार की योजनाओं के प्रचार व प्रसार के लिए तैयार वृत्तचित्रों में नृत्य, अभिनय और गायन से संस्कृति के क्षेत्र में अपना योगदान देने वाली रमाकांता ने दूरदर्शन पर प्रयोजित 'बोल हमारे गीत तुम्हारे' तथा 'अजब-अजूबे' शीर्षक से प्रायोजित कार्यकमों के 13-13 एपीसोड में गीत लेखन और गायन की कला की छटाएं भी बिखेरी हैं। वहीं हरियाणवी संस्कृति पर आधारित सुरंग, द गैस्ट तथा थाल जैसी वेबसीरिज तथा लघुफिल्मों में अभिनय की भूमिका भी निभाई है।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. रमाकांता ने हिन्दी उपन्यासों में असामान्य पात्र, मधुकांत की एकादश शैक्षिक कहानियाँ, नाथ संप्रदाय का अध्ययन, मधुकांत की व्यंग्यात्मक कहानियों की समीक्षा, लघु कथा संग्रह कथा मंजरी, कविता संग्रह काव्य-कुंज, कविताएं बालगीत, काव्य संग्रह वन्दन माटी का, बाल एवं किशोर साहित्य,और महक रिश्तों की जैसी कृतियां पाठकों के सामने पेश की हैं। हरियाणवी लोक साहित्य में लघुकथा संग्रह माल्लक दैक्खै सै, नाटक संग्रह कोथली आदि पुस्तके शामिल हैं।

डॉ. रमाकांता शर्मा

पुरस्कार व सम्मान

डा. रमाकांता शर्मा को कई दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें प्रमुख रुप से भारत भूषण सम्मान, महादेवी वर्मा कविता गौरव सम्मान, काव्य पाठ सम्मान, हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हिन्दी साहित्यरत्न सम्मान, अमूल्य वृद्ध सम्मान, साहित्य सोम सम्मान पत्र, विवेकानन्द शिक्षारत्न सम्मान, डॉ0 राधाकृष्णन सम्मान, रक्तदान सृजन सेवा सम्मान, वूमैन पॉवर अवार्ड, 'श्रमिका श्री' सम्मान, प्रज्ञा साहित्यिक सम्मान एवं प्रज्ञा साहित्य सृजन सम्मान शामिल हैं। वहीं उन्हें साहित्य चेतना यात्रा सम्मान, निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य रत्न सम्मान, सरतीदेवी मित्तल स्मृति सम्मान, लाजवन्ती चावला

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. रमाकांता शर्मा
जन्मतिथि: 15 जुलाई 1948
जन्म स्थान: घरौंडा (करनाल)
शिक्षा: एमए, पीएचडी (हिन्दी), पीएचडी (संगीत), बीएड (गोल्डमैडल),एलएलबी।
संप्रति: सेवानिवृत खंड शिक्षा अधिकारी, सेवानिवृत सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग बीएमयू, रोहतक।

आशावादी जीवन की प्रेरणा 'नई सोच-नये रंग'

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

नई सोच नये रंग लघु कविता संग्रह के माध्यम से कवि डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने पाठकों को कुल 115 कविताओं के माध्यम से आशावादी जीवन जीने, सामाजिक विसंगति, प्रकृति प्रेम और कोरोना जैसी त्रासदी का सजीव चित्रण किया है। वहीं प्रेम की परिभाषा व जीवन की छोटी-छोटी बातों को गंभीरता से प्रस्तुत किया है। अपने काव्य संग्रह के शीर्षक के साथ भी उचित न्याय किया है। विभिन्न विषयों पर प्रकाश डालती लघु कविताओं में अधिकांश जीवन से संबंधित है। 'जीवन में बहार' कविता के माध्यम से कवि ने बताया है कि जीवन तभी सार्थक होगा जब उसमें मजबूत इरादे और हौसले हो। 'चुनौतियों का सामना' कविता में कवि ने बताया कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में चुनौतियां आती हैं। उन चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्प, संघर्ष, शांत स्वभाव तथा उद्देश्य की स्पष्टता का होना जरूरी है। 'कितने रंग बिखरे जीवन में' कवि ने जीवन के प्रति आशा का दृष्टिकोण पर बल दिया है। इनकी कविताएं लक्ष्य व नई उड़ान कविता लोगों में आशावादी दृष्टिकोण पैदा करती है। इसी प्रकार 'आओ थाम लें उम्मीद' कविता में कवि का संदेश है कि जीवन को आगे बढ़ाने के लिए उम्मीद की आवश्यकता है। ऊंचे सपनों की कामना कविता महत्वाकांक्षा पर बल देती है। वहीं दूसरी ओर इस पुस्तक में 'अपना देश', 'वीरों का शौर्य', 'राष्ट्रीय ध्वज' में कवि ने देश प्रेम की भावना को जागृत कर रहे हैं। इन कविताओं में देश प्रेम की झलक दिखती है। 'वीरों का शौर्य' में देश पर कुर्बान होने वाले शहीदों के बारे में लिखा है। इन कविताओं में भारतीय संस्कृति की विशिष्टताओं पर बहुत ही सुंदर तरीके से प्रकाश डाला गया है। 'भरे सूने जीवन में रंग' कविता आशावादी भावों से ओतप्रोत कविता है। कवि ने जीवन के विविध आयामों को शब्द चित्र के माध्यम से कैनवास पर उकेरने का काम बहुत ही शानदार तरीके से किया है। इनमें 'जीवन है सूखे पत्तों की तरह' कविता में उपमा अलंकार के माध्यम से जीवन की नश्वरता का चित्र उकेरने का प्रयास किया है। 'देखो कल का सूरज' कविता सकारात्मक सोच और आशावादी चिंतन से अनुप्राणित है। हर कविताएं एक नए संदेश व नई ऊर्जा प्रदान करती है। सरस, सुबोध व प्रवाहमयी भाषा इस पुस्तक की विशेषता है, जो बेहतर जीवन जीने का संदेश देती है।

पुस्तक : नई सोच-नया रंग
लेखक: डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक: बोधि प्रकाशन

जीवन जीने की सीख देती 'अमीबा एवम् अन्य कविताएँ'

पुस्तक समीक्षा | नृपेन्द्र अभिषेक नृप

डॉक्टर संतोष पटेल अपनी कविता संग्रह 'अमीबा एवम अन्य कविताएँ' के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं पर अलख जगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने इस पुस्तक के द्वारा विभिन्न समस्याओं पर अपनी कलम के माध्यम से जोड़दार प्रहार किया है। इस पुस्तक में एक तरफ जहाँ बहुजन समाज की जिंदगी के कई गुमनाम पहलुओं को केंद्र में रखा है वहीं प्रेम, भाईचारे, गांधीवादी विचार, अंबेडकर के विचारों से सुसज्जित मुद्दों पर भी कलम तोड़ी गई है। संग्रह की पहली कविता 'रेगिस्तान के फूल' में कवि ने आम जीवन की बात किया है। जिस तरह से प्रकृति फूलों को उपजा देती है, ठीक वैसे ही जीवन में खुशियों की इमारत का निर्माण होता है। इंसान में संवेदना, प्रेम, दया, करूंगा समाहित होना चाहिए ताकि जीवन की नैया को पार लगाया जा सके। डॉक्टर पटेल की एक कविता 'व्याकुलता' में भी प्रेम से जीवन को आगे बढ़ाते जाने की बात करतें हैं। कवि ने मिलन की आस को बड़ा ही सजीवता से तुलनात्मक रूप से लिखा है। कवि डॉक्टर पटेल की कविता 'लोक और शिष्ट' में वर्षों से समाज में चले आ रहे शोषण को लिखा है। एक लेखक अपनी रचनाओं में पहले सिर्फ अपने वर्ग की बात करता था, वहीं जब से शोषक वर्ग ने कलम उठाई है, उन्होंने सामाजिक शोषण का पर्चा-पर्चा खोल दी है। शोषित वर्ग की अधिकारों की लड़ाई कलम से लड़ी जाने लगी है। उनकी एक और कविता 'वर्ना गांधी पसंद कब थे उन्हें' में वर्तमान भारत में गांधी की दशा पर लिखा है। आज के दौर में गांधीवाद सिर्फ नाम का सिम्बल मात्र ही समझा जाने लगा है। तभी तो गांधी सिर्फ भाषण देने के काम आते है और बदले में गोडसेवादियों ने समाज को हिंसक बना रखा है।

एक कविता 'दलित के घर सहभोज' के माध्यम से उन्होंने सामाज में फ़ैल चुके भेदभाव को उजागर किया गया है। एक तरफ जहां संविधान में भेदभाव को खत्म करने की कोशिश हुई है, लेकिन संविधान लागू होने के सात दशक बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हैं। डॉक्टर संतोष पटेल की पुस्तक से समाज को बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है।

पुस्तक : अमीबा एवम अन्य कविताएँ
लेखक: डॉ. संतोष पटेल
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

खबर संक्षेप

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में तमन्ना ने जीता पदक

खरखौदा। चेन्नई में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रताप स्कूल खरखौदा की तमन्ना ने शॉट पुट गेम में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश व अपने स्कूल का नाम रोशन किया। विद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर तमन्ना का द्रोणाचार्य अवॉर्डी, ओमप्रकाश दहिया, प्रिंसिपल दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर सुबोध दहिया, एथलेटिक्स कोच प्रवीण व उसके पिताजी विनोद ने फूल माला पहनकर स्वागत किया। कोच प्रवीण कुमार ने बताया कि आज के दौर में बेटियां बेटों से कम नहीं है। अभिभावकों को अपनी बेटियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। तमन्ना के पिता विनोद कुमार ने बताया कि उनकी बेटी तमन्ना ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पदक प्राप्त करके अपने गांव दूबलधन, अपने क्षेत्र व प्रताप स्कूल का नाम रोशन किया है।

शहीदों के सम्मान में गाए देशभक्ति के गीत

गोहाना। गोहाना-खानपुर मार्ग स्थित लिटल एंजल्स कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में विद्यार्थियों ने देश के शहीदों के सम्मान में देशभक्ति के गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। अध्यक्षता प्राचार्या कंचन गोयल ने की। समारोह में स्कूल के एमडी ओम प्रकाश गोयल ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि हर देशवासी के लिए अपनी संस्कृति और अपने देश का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। हमारी संस्कृति और हमारा देश ही हमारी सच्ची पहचान है। समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित हरियाणवी समूह लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

श्री सुंदरकांड पाठ से मिलती है मानसिक शांति

सोनीपत। गीता भवन चौक स्थित गीता विद्या मंदिर में स्वामी दिव्यानन्द भिक्षु महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा नेता तरुण देवीदास ने की। भाजपा नेता तरुण देवीदास ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सुंदरकांड का रोज पाठ करना हर प्रकार से लाभदायक होता है। इसके अनंत लाभ हैं, लेकिन यह पाठ तभी फलदायी होता है, जब निर्धारित विधि-विधानों का पालन किया जाए। उन्होने कहा कि कलियुग में भगवान का नाम लेने से ही मनुष्य भवसागर पार हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रभु नाम के स्मरण मात्र से ही समस्त पाप कट जाते हैं। इस अवसर पर ओम प्रकाश अरोड़ा, सतपाल वाधवा, बलदेव बजाज, चंद्र कांत बत्रा, पवन सहगल आदि मौजूद रही।

कर वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना

रोहतक। हरियाणा आबकारी व कराधान विभाग द्वारा कर वसूली को लेकर वन टाइम सेटलमेंट योजना की शुरुआत की गई है। पंजीकृत व्यापारी और उद्योगपति 30 मार्च तक योजना का लाभ उठा सकते हैं। जीएसटी से पहले सात कर अधिनियमों से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए यह योजना शुरू की है। व्यापारियों के बकाया टैक्स से जुड़े मामलों को निपटाने के लिए विभाग द्वारा ओटीएस योजना के तहत छूट दी गई है। जीएसटी से पहले सात कर अधिनियमों से सम्बन्धित मामलों को निपटाने के लिए चार श्रेणियों के तहत ब्याज में छूट दी गई है।

भगवान राम का अयोध्या में मन्दिर बनने से भक्तों में खुशी : राणा

श्रीराम मन्दिर की झांकी का गन्नौर सहित कई गांवों में किया स्वागत

- तीर्थ राणा व चेयरमैन अरूण त्यागी, जिला पार्षद नरेन्द्र ने भगवान श्रीराम के नारे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

श्रीराम मन्दिर की झांकी कुंडली से शनिवार को चलकर दूसरे दिन तीर्थ राणा की अगुवाई में गन्नौर हलके में पहुंची। गांव रामनगर में पहुंचने पर बधवार गैस एंजेसी संचालक व जिला पार्षद नरेन्द्र आदि के नेतृत्व में राम भक्तों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए। महिलाओं ने झांकी में बने राम मन्दिर में भगवान राम के दर्शन करते हुए मन्दिर में दीप जलाए और भगवान श्रीराम की पूजा की। तीर्थ राणा ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम का अयोध्या में मन्दिर बनने से राम भक्तों में इतनी खुशी है कि भगवान श्रीराम उनके घर पर आ गए है। गन्नौर शहर में पहुंचने पर नगरपालिका चेयरमैन अरूण त्यागी, झांकी का विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड मंत्री नरेन्द्र पांचाल, भूषण हसीजा, आदि ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते हुए भव्य स्वागत किया। गन्नौर में धुतरी, रामनगर, पबनेरा, घसौली, बेगा, दातौली, गन्नौर शहर, राजलू, पांची जाटान, उदेशीपुर, पुरखास, शेखपुरा, अहीर माजरा, खेड़ी गुज्जर में श्रीराम सेवकों ने भव्य स्वागत किया। रात्रि विश्राम खेड़ी गुज्जर में करने के बाद झांकी सोमवार की सुबह गांव अटायल के लिए रवाना होगी। इसके बाद गांव बली कुतुबपुर, सरढाणा, बजाना खुर्द, बजाना कला, मोई माजरी के बाद गोहाना में प्रवेश कर जाएगी।

गन्नौर। रामनगर गांव में भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते तीर्थ राणा साथ में जिला पार्षद नरेन्द्र व कपिल बधवार।

गन्नौर। मुख्यातिथि देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान यात्रा के दौरान ।

प्रभु रामचंद्र को सभी मानते हैं आदर्श : देवेंद्र कादियान

- दीवाने बाबा श्याम समिति, गन्नौर ने निकाली भव्य निशान एवं शोभायात्रा, शहर हुआ राममय

गन्नौर। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने पर रविवार को दीवाने बाबा श्याम समिति, गन्नौर द्वारा शहर में गाजे-बाजे के साथ भव्य निशान एवं शोभायात्रा निकाली। जिसमें काफी संख्या में रामभक्तों के जय श्रीराम जयघोष से शहर राममय हो गया। जगह-जगह पुष्प बरसात के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा दोपहर बाद 4 बजे शुरू हुई। जो प्रजापति चौक से शुरू होकर राम मंदिर गन्नौर शहर में समापन हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने शिरकत की और प्रभु श्रीराम ध्वजा लेकर शोभायात्रा के साथ-साथ चले। इतना ही नहीं ढोल-नगाड़े बजाकर अपनी खुशी का इजहार भी किया। कादियान ने कहा कि हर कोई भारत में सदैव प्रभु रामचंद्र को आदर्श मानते है। सालों बाद अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने पर हर भारतवासी की मनोकामना पूरी हुई है। हर तरफ उत्साह का माहौल बना हुआ है। भव्य शोभायात्रा निकाली जा रही है। कार्यक्रम में आयोजक ललित हसीमा व मुकेश रोहिल्ला ने समाजसेवी देवेंद्र कादियान का पटका व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और समापन पर भगवान श्रीराम चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिविर में 66 ने रक्तदान किया 22 स्वास्थ्य कारणों से रिजेक्ट

सोनीपत। रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए युवा।

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन द्वारा सोनीपत ब्रांच एनआईआरसी आईसीएआई के संयुक्त प्रयास से आज सेक्टर 12 स्थित कम्युनिटी सेंटर में 9वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सीएम के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने रिबन काट कर किया। इसका साथ ही नगर निगम पार्षद सुरेंद्र मदन भी पहुंचे और रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। लायंस ब्लड बैंक टीम द्वारा सहयोग किया गया। संस्था के सदस्य रमेश जैन ने बताया कि रक्त देने से एक व्यक्ति 3 व्यक्तियों की जान बचा सकते हैं और रक्त देने से कोई कमजोरी नहीं आती। नया रक्त साथ साथ बनता रहता है। सभी रक्तदाताओं को कुल्हड़ वाला ड्राइफ्रूट रिच गर्म दूध, फल, रिफ्रेशमेंट दी गई।

इसके साथ ही आकर्षक उपहार भी दिए गए। 66 व्यक्तियों ने रक्तदान किया व 22 से स्वास्थ्य कारणों हेतु अधिक रिजेक्ट हुए। इस मौके रमेश जैन, प्रवीण जैन, डॉ सुरेश जैन, डॉ आरके गुप्ता, सीए वरुण वत्स, सीए हितेश धूल, सीए आकाश, मास्टर दिलबाग, प्रेम, अभिषेक कामरा, दिव्यम, मयंक,यश, गुंजन, सताक्षी, तान्या, रमन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव में सांसद ने बांटे पुरस्कार

- मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई में किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई में चल रहे दो दिवसीय सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि सांसद रमेश कौशिक ने शिरकत की। उनके साथ विधायक निर्मल चौधरी, बीजेपी जिला अध्यक्ष जसबीर दोदवा, निशांत छौक्कर व भाजपा जिला महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष सोनिया मोर भी पहुंचे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। खेल महोत्सव में खेल स्कूल राई के अलग-अलग खेलों में करीब 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खेल महोत्सव में वॉलीबॉल, हॉकी, जिमनास्टिक्स, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग सहित कई विधाओं में खेल का आयोजन किया गया। सांसद रमेश कौशिक ने खेल स्कूल के 307 नेशनल पार्टिसिपेंट्स को पुरस्कृत किया। सांसद कौशिक ने कहा कि खेलो इंडिया की पीएम योजना भविष्य में शानदार परिणाम देगी।

राई। सांसद रमेश कौशिक का स्वागत करते स्कूल के निदेशक एवं प्रधानाचार्य कर्नल अशोक मोर, साथ में अन्य।

एनसीसी ए सर्टिफिकेट परीक्षा में कैडेट्स ने लिया हिस्सा

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में एनसीसी ए सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में सभी कैडेट्स ने बढ़चढ़कर भाग लिया। परीक्षा का आयोजन लेफ्टिनेंट कर्नल विनोद कुमार, पीआई स्टाफ व एनसीसी ऑफिसर मोनिका के नेतृत्व में किया गया। परीक्षा में लगभग 370 छात्रों ने भाग लिया। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने कहा कि बच्चे दो वर्ष एनसीसी में एकता एवं अनुशासन के साथ समाज में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं और अपनी मेहनत व लगन से परीक्षा देकर ए सर्टिफिकेट प्राप्त करते हैं। चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि परीक्षा के साथ एनसीसी की ट्रेनिंग करना बच्चों के लिए चैलेंज होता है।

लाजपत राय का संघर्ष सभी के लिए अनुकरणीय

- स्वंत्रता आंदोलन के महानायक लाजपत राय की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

लाला लाजपत राय की जयंती के अवसर पर पूर्व मार्किट कमेटी के चेयरमैन एवं भाजपा नेता कुलदीप नांगल ने लाला लाजपत राय अमर रहे के नारे लगाए। देश की अर्थवयवस्था को मजबूत करना लाला लाजपत राय की देन है। पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने कहा कि लाला लाजपत राय ने राष्ट्रवाद के लिए काम किया, कष्ट झेले और अपने प्राणों का बलिदान दिया। लाला लाजपतराय महान स्वतन्त्रता सेनानी थे। उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर भारतीय जनमानस में आजादी की अलख जगायी। देश की स्वाधीनता के लिए ब्रिटिश हुकूमत के विरूद्ध उनका संघर्ष सदैव स्मरणीय रहेगा। भाजपा नेता कुलदीप नांगल ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के तीन प्रमुख नेताओं में लाला लाजपतराय का मुख्य स्थान था। साइमन कमीशन के देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उनका संघर्ष हम सभी के लिए अनुकरणीय है। इस मौके पर उनके साथ संजय वर्मा, प्रदीप बंसल आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिविर में 285 लोगों ने करवाई आंखों की जांच

राई। नि:शुल्क चश्मा वितरण करने से पूर्व संबोधित करते प्रतीक शर्मा ।

राई। गांव छतेहरा में राजकुमार शर्मा फाउंडेशन के संस्थापक प्रतीक राजकुमार शर्मा (माखन भोग वाले) ने नि:शुल्क नेत्र जाँच कैम्प का आयोजन किया। जिसमें 285 लोगों की जाँच हुई। डॉ श्रॉफ ऑय चैरिटेबल हॉस्पिटल व दृष्टि सेवा स्मिति के डॉक्टर धीरेंद्र सिंह व उनकी टीम से सोनिया, नरेंद्र भूटानी, रीतिका ने कैम्प का संयोजन किया। फ्री दवाई व फ्री चश्में दिए गए। 42 लोगों के मोतियाबिंद का फ्री ऑपरेशन करवाया जाएगा।। इस मौके पर सज्जन कुमार चौहान, धर्मबीर सिंह, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार, जोगिंदर सिंह, विक्की पहलवान, नरेश पंडित, नंबरदार पंडित, जगबीर सिंह, राजेंद्र जून, रामकुमार जोगी, देवेंद्र मनजीत आदि शामिल रहे।

व्यापारी पर नकाबपोश युवकों ने किया हमला

रोहतक। सोनीपत रोड पर रामगोपाल कॉलोनी में एक व्यापारी पर हमलावरों ने बिट्टों के साथ जानलेवा हमला किया गया। इस दौरान नकाबपोश काफी दूर तक पीड़ित से मारपीट कर उसके पीछे दौड़ते रहे। पुलिस की गाड़ी आई और पुलिस ने पीड़ित का बचाव किया। इस दौरान आरोपी फरार हो गए। वारदात से ईलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। व्यापारी का कहना है कई दिन से कोई व्यक्ति उनकी रेकी कर रहा है। गाड़ी का पीछा किया जा रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस को दी शिकायत में योगेश निवासी वार्ड नम्बर 6 महम ने बताया कि उसने रोहतक में बांके बिहारी पेंट एंड सैनेटरी स्टोर के नाम से इंद्रप्रस्थ गेट नम्बर एक के सामने राम गोपाल कालोनी में दुकान की हुई है।

राई हलके से कार्यकर्ता आप की जींद रैली में हुए शामिल

प्रदेश में 'आप' की सरकार आने पर सारी व्यवस्था बदली जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। जींद आप की रैली में जाने से पूर्व संबोधित करते आप नेता मास्टर सतनारायण आंतिल व अन्य।

राई हलके से आप नेता एवं आप शिक्षा सैल के जिलाध्यक्ष मास्टर सतनारायण आंतिल कार्यकर्ताओं सहित जींद रैली में शामिल हुए । रैली में जाने से पूर्व बहालगढ़ चौक पर कार्यालय में आप पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। आंतिल ने कहा कि हम व्यवस्था को बदलेगे। हमारा स्वतंत्रता सेनानी परिवार है। हमारे बुजुर्गों ने जो किया, उनके मार्ग पर चलकर काम करूगा। आज बुजुर्ग पैशन व राशन कार्ड के लिए परेशान है। आप की प्रदेश में सरकार आने पर सारी व्यवस्था बदली जाएगी। जिससे लोगों को परेशानी नही आएगी। लोग आप नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की नीतियों से बहुत प्रभावित है। प्रदेश में अगली आप की सरकार बनेगी। इस मौके पर हलके के काफी लोग मौजूद थे।

मिड-डे मील वर्कर्स ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

रोहतक। चार महीने से बकाया मानदेय का भुगतान न करने से नाराज मिड डे मील वर्कर ने तहसीलदार मनोज कुमार को ज्ञापन सौंपा। साथ ही 16 फरवरी की देशव्यापी हड़ताल में भागीदारी करने का निर्णय भी लिया। इससे पहले मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (सीटू) रोहतक ब्लॉक की आम सभा ब्लॉक प्रधान राजबाला की अध्यक्षता में मानसरोवर पार्क में हुई। मिड डे मील वर्कर यूनियन की प्रदेश सचिव रीना और सीटू जिला सहसचिव प्रकाशचंद्र ने कहा सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा मात्र एक छलावा है। मिड डे मील वर्करों को समय पर मानदेय नहीं मिलता। वर्कर्स 12 महीने काम करती हैं और सरकार की तरफ से मानदेय 10 महीने का मिलता है। नई शिक्षा नीति के नाम पर सरकारी स्कूली व्यवस्था का भट्ठा बिठाया जा रहा है।

मोहम्मदाबाद के भगवान प्रेम सुख मंदिर में प्रवचन

क्रोध की अग्नि सबसे भयंकर : उपेंद्र मुनि

- अपने जीवन में क्रोध को बिल्कुल भी स्थान न दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

मोहम्मदाबाद के भगवान प्रेम सुख मंदिर में प्रवचन में उपेंद्र मुनि ने कहा कि इस संसार में दो प्रकार के शस्त्र बताए गए हैं। द्रव्य से और भाव से। बरछी, तीर, भाला, बंदूक द्रव्य शस्त्र है, तो क्रोध, मान, माया, लोभ आदि चार कषाय भाव चार शस्त्र है। द्रव्य शस्त्र शरीर एवं प्राणों का हनन करते हैं और क्रोध आदि भाव शस्त्र आत्मिक गुणों का हनन करता है। जिससे भव भ्रमण बढ़ता है। क्रोध की दावानल जंगल की आग से भी भयंकर है। धर्म सभा को संबोधित करते हुए पंडित रत्न शास्त्री उपेंद्र मुनि ने कहा कि जब किसी व्यक्ति को क्रोध आता है तब उसकी जुबान खुल जाती है और आंखें बंद हो जाती है। परिणाम स्वरुप उसे मालूम नहीं होता कि उसके सामने कौन खड़ा है और वह अपनी जुबान से कितने कितने कटु और भयंकर शब्द बोल चुका है। क्रोध चार कारणों से आता है और पांच रूपों में व्यक्त होता है। जब व्यक्ति क्रोध में होता है तब वह दुर्वचन बोलता है, स्वार्थ सिद्धि में बाधा उत्पन्न होने पर, अनुचित व्यवहार के कारण संशय की स्थिति में तथा विचार या रुचि भेद के कारण भी इंसान को क्रोध आता है। क्रोध में व्यक्ति प्रीति का नाश कर देता है। उसका शरीर कांपने लगता है। आंखों के आगे अंधेरा छा जाता है। एक दिन का यह बुखार 6 महीने की शक्ति का हरण कर लेता है। क्रोध प्राणों का हरण करने वाला है।

वह इंसान का भयंकर शत्रु होता है। क्रोध उस धारदार तलवार के समान है जिससे किसी का भी भला नहीं किया जा सकता। इसलिए ध्यान रखें यह क्रोध आत्मा की अधोगति का कारण है। यही नहीं क्रोध से सत्य का, शील का, विनय का और धर्म का भी नाश होता है। प्रवाचक उपेंद्र मुनि ने कहा कि इंसान को अपने जीवन में क्रोध को बिल्कुल भी स्थान न दें।

खरखौदा। प्रवचन करते उपेंद्र मुनि।

इंडिया के साथ धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

पूर्व सांसाद अजीज पाशा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़कर जो अवसरवादिता का परिचय दिया है, उसे जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। इसका जवाब 2024 के चुनावों में जनता ही देगी। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद अजीज पाशा रविवार को सोनीपत में भाकपा और दलित पिछड़ा आवाज मंच की हकदारी रैली में हिस्सा लेने पहुंचें थे। रैली के उपरांत पत्रकारवार्ता में अजीज पाशा ने बिहार में नीतिश कुमार द्वारा गठबंधन तोड़ने को विश्वासघात करार दिया।

इससे पूर्व रैली को संबोधित करते हुए अजीज पाशा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश के हर वर्ग को परेशान ही किया है। इसी के विरोध में 25 फरवरी को जींद में राज्य स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दलित, पिछड़ा वर्ष आवाज मंच के प्रदेश अध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों के बाद भी देश के दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के हालात नहीं बदले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वायदा तो अच्छे दिन लाने और 2 करोड़ नौकरी देने का किया था लेकिन रोजगार की बजाय 5 किलो मुफ्त अनाज देकर लोगों के साथ छल किया है। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ वामपंथी दल अब जींद में राज्यस्तरीय रैली कर जनता के हकों की आवाज बुलन्द करेंगे। इम सभा को महेश राठी, प्रवेश चन्देल, प्रवीन नागर, इरफान, नरेश नय्यर, आनन्द जैन, प्रेम सिंह चौहान, धीरेंद्र राम खटक, मुलायम, गुरतेज बराड़, देवेन्द्र वर्मा, वकील खान, अयुब खान, धर्मवीर मेहरा, भगत सिंह बल्हारा, जगजीत सिंह, रोशन सुचान आदि ने भी संबोधित किया।

सोनीपत। हकदारी रैली के दौरान मंचासीन अजीज पाशा साथ में राजीव वर्मा।

कर वसूली के लिए वन टाइम सेटलमेंट योजना

रोहतक। हरियाणा आबकारी व कराधान विभाग द्वारा कर वसूली को लेकर वन टाइम सेटलमेंट योजना की शुरुआत की गई है। पंजीकृत व्यापारी और उद्योगपति 30 मार्च तक योजना का लाभ उठा सकते हैं। जीएसटी से पहले सात कर अधिनियमों से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए यह योजना शुरू की है। व्यापारियों के बकाया टैक्स से जुड़े मामलों को निपटाने के लिए विभाग द्वारा ओटीएस योजना के तहत छूट दी गई है। जीएसटी से पहले सात कर अधिनियमों से सम्बन्धित मामलों को निपटाने के लिए चार श्रेणियों के तहत ब्याज में छूट दी गई है।

खबर संक्षेप

गुरु-शिष्यों ने किया राष्ट्रीय ध्वज को नमन

गोहाना। गोहाना-खरखौदा मार्ग स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में स्कूल के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को नमन करते हुए अपने राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। स्कूल के एमडी दीपक मान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्या मंजू मान ने की। समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर राष्ट्र प्रेम का पाठ पढ़ाया। विद्यार्थियों ने कविता, कहानी और नृत्य के माध्यम से शहीदों को नमन किया। इस समारोह में स्कूल के स्टाफ में सचिन कुमार, आशु रानी, अजय कुमार, मनीषा, नीलम, जिम्मी और मोहित मान का विशेष सहयोग रहा।

समाज कल्याण संगठन ने रोपे 14 पौधे

गोहाना। रविवार को समाज कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में गोहाना-सोनीपत मार्ग पर पौधारोपण किया। अदालतों से खरखौदा मोड तक कुल 14 नए पौधे रोपे गए तथा उनको ट्री गार्डों से संरक्षित किया गया।

पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। नए पौधे नीम, अर्जुन, सिल्वर ओक और पापड़ी के लगाए गए। दो पुराने पौधे सूखे मिले। उनकी जगह नए पौधे लगा दिए गए। पुराने पौधों की नलाई और गुड़ाई करते हुए उन्हें पानी से सींचा गया। इसके लिए वाटर टैंकर का इस्तेमाल किया।

सोनीपत के 8 खिलाड़ियों की बदौलत हरियाणा टीम बनी खेलो इंडिया चैम्पियन

सोनीपत। विजेता खिलाड़ी पदक दिखाते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी की खिलाड़ी शामिल थी हरियाणा की टीम में

हरियाणा सरकार द्वारा एस्ट्रो टर्फ मैदान न उपलब्ध कराने के बावजूद प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी सोनीपत के आठ चैंपियन खिलाड़ियों की बदौलत हरियाणा की टीम खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2024 की महिला हॉकी प्रतियोगिता की विजेता बन गई है। चेन्नई में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा ने फाइनल मैच में मध्य प्रदेश को 1=0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। हरियाणा ने पहले मैच में पंजाब को 10=0 से हराया, जिसमें कणिका सिवाच और साक्षी राणा का दो-दो गोल का योगदान रहा। हरियाणा ने दूसरे मैच में झारखंड को 4=3 से हराया। अपने तीसरे मैच में हरियाणा ने उड़ीसा को 2=1से हराया।जिसमें साक्षी राणा और कणिका दोनों ने एक-एक गोल किया। सेमीफाइनल में हॉकी हरियाणा ने मिजोरम को 7=4 से हराया जिसमें साक्षी राणा ने तीन गोल किए तथा एक गोल रितिका गहलोत ने किया। फाइनल में हरियाणा का मुकाबला मध्य प्रदेश की टीम से हुआ। बहुत ही रोमांचक मैच में हरियाणा ने मध्य प्रदेश को 1=0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। हरियाणा इससे पूर्व भी इस चैंपियनशिप का विजेता रह चुका है। हॉकी प्रेमी अरविंद कुमार ने बताया कि सोनीपत के महिला तथा पुरुष हाकी खिलाड़ियों को पिछले 2 वर्षों से अभ्यास करने के लिए खेल का एस्ट्रो टर्फ मैदान भी उपलब्ध नही है। खेलों व बेटियों के लिए बड़े बड़े दावे करने वाली हरियाणा सरकार का भी ध्यान इस तरफ नहीं है।

बावजूद इसके वहीं दूसरी तरफ महिला खिलाड़ी हरियाणा का नाम चमकाने मे कोई कमी नही छोड़ रहे हैं। सोनीपत सोनीपत के महिला व पुरुष हॉकी खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय व ओलंपिक स्तर पर सोनीपत, हरियाणा व देश का नाम ऊंचा किया है फिर भी सरकार उन्हें अभ्यास के लिए एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड उपलब्ध नहीं कर पा रही है।

आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो होगा आंदोलन : गर्ग

मातूराम की दुकान पर हुई गोलीबारी के विरोध में कल रहेगा गोहाना बंद

- 21 जनवरी को बदमाशों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी
- हर रोज व्यापारी अपराधियों से लूटपाट के हो रहे शिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कॉम्फेड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग रविवार को लाला मातूराम के नाम से प्रसिद्ध उस मिठाइयों की दुकान पर भी पहुंचे जहां बीती 21 जनवरी को बदमाशों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की गई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस घटना में संलिप्त आरोपितों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो व्यापारी वर्ग सडकों पर उतरकर आंदोलन करेगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि बदमाशों द्वारा दुकान पर 40 राउंड फायर किए गए थे। इस घटना के बाद पूरे शहर में दहशत पसरी हुई है। पुलिस अब तक घटना में संलिप्त आरोपितों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि हर रोज व्यापारी व आम जनता के साथ अपराधियों द्वारा लूटपाट, फिरौती, अपहरण, हत्या व चोरियों की वारदातें हो रही है, जिसका मुख्य कारण प्रदेश में बेहताशा बेरोजगारी है। बेरोजगारी के कारण हरियाणा में नशे का व्यापार धड़ल्ले से हो रहा है। बजरंग गर्ग ने कहा कि आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर व्यापार मंडल 30 जनवरी को पूरे गोहाना बंद करेगा।

गोहाना। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग पीड़ित व्यापारी से मुलाकात करते हुए। फोटो : हरिभूमि

उसके बाद रणनीति के तहत व्यापारी वर्ग पूरे हरियाणा में सडकों पर उतर कर आंदोलन करेगा। इस मौके पर विनोद शेराहवत, रामधन भारतीय, रामधारी जिंदल, विनोद जैन, विकास जैन, रमेश खुराना, राजू गिरमानी, परमानंद लोहिया, श्याम सुंदर, मोनू, रामनिवास गोयल, नरेंद्र गहलावत, रामकुमार मित्तल, बलवंत नागपाल, हवा सिंह वर्मा और नरेंद्र खुराना आदि व्यापारीगण मौजूद रहे।

पुलिस की जिम्मेदारी तय की जाए

बजरंग गर्ग ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई बाबत पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी फिक्स की जानी चाहिए। जिसके एरिया में अपराध हो उसकी जवाब देही चौकी इंचार्ज की होनी चाहिए। पुलिस अपराधियों पर नकेल डाल सके।

वार्डों की टीमों के बीच टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

रविवार को बिरला स्कूल के खेल मैदान में टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू की गई। जिसका पहला मुकाबला वार्ड 4 और वार्ड 10 की टीम के बीच हुआ। वार्ड 10 की टीम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वार्ड 4 की टीम ने 20 ओवर मे 6 विकट खोकर कुल 224 रन बनाए। जिसका पीछा करते हुए वार्ड 10 की टीम 17 ओवर मे 76 रन पर सिमट गई। मैन ऑफ द मैच का खिताब संजय को दिया गया। दूसरा मैच वार्ड 1 व वार्ड 3 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड 3 की टीम ने वार्ड 1 को 34 रन से हराकर टूनार्मेंट से बाहर कर दिया। वार्ड 3 की टीम ने टॉस जीता व पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वार्ड 3 की टीम ने 9 विकेट खोकर 161 रन बनाए। जिसका पीछा करते हुए वार्ड 1 की टीम 127 रन पर सिमट गई। दूसरे मैच मे मैन ऑफ द मैच वार्ड 3 की टीम के मोहित को दिया गया । जिसने 34 गेंद मे नाबाद 50 रन बनाए व शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट भी अपने नाम किए। मैच के दौरान चारों वार्डों के मेंटोर डॉ अनिल दहिया, वनदीप जेतली, राजेंद्र सैनी व कुलदीप दहिया ने टीम का हौसला बढ़ते हुए विजेता टीमों को स्मृति चिन्ह व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रयास संगठन अध्यक्ष व आयोजक नवीन दहिया ने कहा कि इन मैचों में जीत या हार के मायने नहीं हैं, बल्कि ऊर्जा व जज्बे के साथ समय निकाल कर मैदान पर आएं।

भाजपा-जाजपा की सरकार को जनसमस्याओं से सरोकार नहीं

- जींद में हुई रैली में आम आदमी पार्टी के किसान सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष रणबीर छिक्कारा पहुंचे
- बेरोजगारी सरकार की उपहार बन गई है

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गन्नौर। जींद रैली में रवाना होने से पूर्व रणबीर छिक्कारा आम पार्टी के नारे लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

आम आदमी के किसान सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष रणबीर छिक्कारा रविवार को काफिले के साथ जींद में हुई बदलाव रैली में पहुंचे। रणबीर छिक्कारा ने कहा कि भाजपा-जजपा सरकार को जनसरोकार से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि 2024 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने की तरफ एक और कदम बढ़ाएगी। छिक्कारा ने कहा कि भाजपा—जाजपा की सरकार को जन समस्याओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। भाजपा-जजपा सरकार में बेरोजगारों के लिए कोई स्कीम सरकार के पास नहीं है। किसानों की चिंता वर्तमान सरकारो नहीं है। उनके एजेंडे में आमजन की को फिक्र नहीं है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर सभी को स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध करवाए जाएंगे ,सरकारी स्कूलों की व्यवस्था सुधार कर बच्चों को अच्छी शिक्षा मुफ्त दी जाएगी और युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ अंकुश त्यागी, विकास मलिक ,डॉक्टर अनिल कुमार , बलवान सिंह, सुनील विकास त्यागी डॉ राज आदि सैकड़ो कार्यकर्ता साथी मौजूद रहे।

160 लोगों का हुआ हेल्थ चेकअप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

खूबडू गांव की चौपाल में रविवार को ग्रामीणों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाई गई। शिविर का शुभारंभ भारत विकास परिषद के प्रधान राजेंद्र कौशिक ने किया। शिविर में डॉक्टरों की टीम में डॉ. प्रवेश मुदगिल हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. अनुभव स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. आकाश फिजिशियन, डॉ. अभिमन्यु, रितु, अजय, ईशा, जतिन ने अपनी निशुल्क सेवाएं देते हुए 160 मरीजों की जांच की। शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, आक्सीजन, ईसीजी जांच, श्वास रोगियों की जांच, हिमोग्लोबिन की जांच की गई। अधिकतर मरीज रक्तचाप, शुगर, सांस की बीमारी, जोड़ो के दर्द से ग्रस्त मिले। स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉक्टरों की टीम ने लोगों को खाने पीने में क्या ऐतिहात बरतना चाहिए। कार्यक्रम में महेंद्र वशिष्ठ, कपीश कुमार , मांगेराम , सुमित, नवीन धनखड आदि थे।

कैंप में 20 महिलाओं की जांच

सोनीपत। कैम्प के दौरान चिकित्सकों के साथ क्लब के पदाधिकारी। ।

सोनीपत। रोटरी क्लब कुंडली द्वारा रविवार को व्हाइट लिली रेजीडेंसी मुरथल में मोबाइल मेमोग्राफी कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान 20 महिलाओं की मुफ्त जांच की गई। जिससे इन्हें पहले ही जानलेवा बीमारी ब्रेस्ट कैंसर से बचाया जा सके। मेमोग्राफी वैन रोटरी क्लब द्वारा ग्रेटर नोएड स्थित अस्पताल को दान की गई। इस दौरान एक स्कूल के 20 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कैंप में प्रधान परविंद्र सिंह सिडाना, सचिव योगेश, चेयरमैन संतोष राठी, नीलम सहगल, आकाश दहिया, पंकज कंसल, निधि कंसल, वीरेंद्र सहगल आदि मौजूद रहे।

दुकान से हजारों की नकदी व सामान चोरी

- पीड़ित के बयान पर पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज, क्षेत्र में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र के नाथुपुर रोड पर किरयाणा दुकान से हजारों रुपये की राशि व हजारों रुपये कीमत का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित दुक़ानदार ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके।

गांव भूरी निवासी अनिल कौशिक ने बताया कि उसने नाथुपुर रोड पर दुकान कर रखी है। गत 25 जनवरी की रात को दुकान बंद करके अपने घर चला गया। रात को किसी ने दुकान से 30 हजार रुपये की राशि व खरीज, राशन का सामान, दाल, चीनी, बिस्कुट, ऑटा सहित अन्य सामान को चोरी कर लिया। अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। जांच अधिकारी एसआई दलबीर सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

इस संबंध में मौके का मुआयना कर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। जल्द से जल्द चोरों का पता लगाकर आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

गांव मुरथल में श्रीराम मंदिर की झांकी का स्वागत

राई। कुंडली से शनिवार को तीर्थ राणा के आयोजन में शुरू हुई प्रभु श्रीराम मन्दिर की झांकी का दूसरे दिन राई हलके के गांव मुरथल में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत राई व ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए मन्दिर में दीप जलाए और भगवान श्रीराम की पूजा की। दूसरे दिन यात्रा राई हलके के गांव ताजपुर, मलिकपुर से होती हुई गन्नौर विधानसभा में प्रवेश किया। तीर्थ राणा व पुनीत राई ने कहा कि भगवान राम का अयोध्या में मन्दिर बनने से राम भक्तों में खुशी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 8295154800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

विद्यार्थी देखेंगे लाइव प्रसारण,11 बजे से कार्यक्रम

प्रधानमंत्री की परीक्षा पर चर्चा आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जिले के स्कूलों में भी किया जाएगा। परीक्षा के तनाव को कम करने और परीक्षा को बेहतर तरीके से देने के बारे में चर्चा करने के लिये आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में 6 से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। विद्यार्थी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देख व सुन सकें, इसके लिये स्कूल प्रभारियों को उचित व्यवस्था करनी होगी। जिसको लेकर शिक्षा निदेशालय की ओर से पत्र जारी किया गया है। पत्र में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी को इस संदर्भ में निर्देश जारी किए गए हैं।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का 29 जनवरी को सुबह 11 बजे से एजुसेट, विभिन्न टीवी चैनलों व डिजिटल मीडिया पर प्रसारण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों के साथ बातचीत कार्यक्रम का यह सातवां संस्करण रहेगा। कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह बना हुआ है। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया का कहना है कि इस संबंध में सभी स्कूलों को अवगत करा दिया गया है। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को विद्यार्थियों को लाइव दिखाया जाएगा। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने बताया कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन जिले के सभी स्कूलों में किया जाएगा। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इस संबंध में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों व स्कूल प्राचार्यों को अवगत करा दिया गया है। कार्यक्रम को लेकर सभी स्कूलों पूरी तरह से तैयार हैं।

मोबाइल का सदुपयोग हो, दुरुपयोग नहीं : ब्रिगेडियर सत्यदेव

खरखौदा। बैठक में उपस्थित प्रबंधन समिति सदस्य व अभिभावक।

खरखौदा। गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल मटिंडू में प्रबंधन समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता स्कूल के चेयरमैन ब्रिगेडियर सत्यदेव ने की। उन्होंने कहा कि अगर विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता की ओर अग्रसर करना है, तो उन्हें आधुनिक तकनीक को समझाना अनिवार्य है। उन्होंने तकनीक के दुरुपयोग के बारे में भी अभिभावकों से बात की, ताकि शिक्षक व अभिभावक दोनों मिलकर बच्चों को मोबाइल के दुरुपयोग के बारे में जागरुक कर सकें। अभिभावकों ने भी अपने विचार साझा किए। बैठक में यशवीर शास्त्री, रजनीश, पूनम, डॉक्टर राहुल ढुल, प्रोफेसर जगबीर सिंह, डॉ सुमन बेनीवाल, मटिंडू के सरपंच वीरेंद्र सहित अनेक अभिभावक गण उपस्थित रहे। प्राचार्या ज्योति मलिक ने हाल ही संपन्न हुई गतिविधियों के बारे में बताया।

6 साल पहले हुई थी शुरूआत

बता दें कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम की शुरूआत 6 साल पहले वर्ष 2018 में की गई थी। उसके बाद से हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ परीक्षा से संबंधित चिंताओं पर चर्चा करते हैं। शिक्षा अधिकारियों की मानें तो यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को तनाव मुक्त माहौल तैयार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के परीक्षा को लेकर तनाव को कम करना है।

जरूरतमंद की सेवा करना मानवता का धर्म : जयभगवान आंतिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

गरीब जरूरतमंद लोगों की मदद करना ही सच्ची सेवा है। सेवा किसी भी तरीके से की जा सकती है। जो लोग दूसरों की सेवा करते हैं वे हमेशा कामयाब रहते हैं। उक्त बातें कुंडली स्थित दुर्गा कालोनी में आयोजित सम्मान समारोह में आंतिल बाराहा खाप के प्रधान एवं कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल ने जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की मदद हर किसी को बढ़ चढ़ कर करना चाहिए।

समारोह में 200 जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए गए हैं। समारोह में सोनीपत विधायक सुरेन्द्र पंवार के शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए सम्मानित किया गया। कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि लोग वही सरकार भी देखना चाह रहे, यही कारण है कि आए दिन लोगों का मोह भाजपा से भंग होता जा रहा है। हरियाणा की जनता कांग्रेस को चाह रहे हैं। इस अवसर पर काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राई। दुर्गा कालोनी में सम्मान समारोह में कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल का स्वागत करते हुए।

रामकिशन फौजी लोकसभा चुनाव को लेकर आज लेंगे बैठक

सोनीपत। विधायक सुरेन्द्र पंवार ने बताया कि आज कांग्रेस भवन नजदीक सुभाष चौक सोनीपत पर सोनीपत लोकसभा प्रभारी व पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी, सुबह 11 बजे कांग्रेस कार्यकताअरं की बैठक लेंगे। विधायक सुरेंद्र पंवार ने लोकसभा के सभी कांग्रेसजनों से अनुरोध किया है कि इस बैठक में समय पर जरूर पहुंचे व आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की मजबूती को लेकर अपने सुझाव रखें। साथ ही पार्टी को मजबूत करने के लिए रणनीति पर विचार किया जाएगा।